

76. युगेन (= योगेन = युगपद् Comm.) TBa. 3, 7, 40, 1. भग्नयुगे M. 8, 291.
 ◦भङ्ग KATHÁS. 60, 12. PAÑKAT. ed. orn. 4, 13. अन्धेनेव (so die ed. Bomb.,
 विधात्रा NILAK.) युगे (द्वापराख्यं NILAK.) नहं विपर्यस्तम् MBu. 2, 1932. 3,
 14909. पार्थच्छिन्नयुगा कथाः 4, 1707. 5, 7214. 6, 3879. ◦मध्ये, ◦संनहनेषु,
 ◦पालीषु 7, 3597. 8783. fg. HARIV. 2636. 12338. R. 3, 34, 32. 6, 18, 54. JĪĀN.
 2, 299. VARĀH. BRH. S. 14, 37. 46, 9. KATHÁS. 97, 6. ÇIÇ. 3, 66. रथयुगः BRĀG.
 P. 5, 21, 15. ◦व्यापतब्राह्म RAGH. 3, 34. ◦दीर्घेर्दीर्घिः 10, 87. ◦वाङ्मयः
 KUMĀRAS. 2, 18. — 2) n. Paar AK. 2, 5, 38. 3, 4, 25. TRIK. 2, 5, 38. H.
 1424. H. an. MED. HALĀJ. 4, 15. वस्त्रं ◦ĀCV. GRHJ. 3, 8, 1. ÇĀÑKH. GRHJ.
 3, 1. MBu. 3, 2632. AK. 2, 6, 2, 14. H. 668. VARĀH. BRH. S. 48, 72. KATHÁS.
 24, 124. KULL. zu M. 7, 126. Schol. zu P. 8, 4, 13. स्तनं ◦ÇĀK. 18. Spr.
 1233. खञ्जन् ◦2318. AK. 1, 1, 2, 20. 2, 1, 18. VARĀH. BRH. S. 47, 11. 51, 43.
 52, 5. 54, 61. 68, 44. KATHÁS. 26, 285. ÇIÇ. 9, 72. RĪĀG-TAR. 1, 209. DHŪR-
 TAS. 83, 9. Am Ende eines adj. comp. f. स्त्री KATHÁS. 66, 157. PRAB. 67, 2.
 In der Stelle चतुर्दशं धनुर्दण्डो नाडिकायुगमेव च MĀK. P. 49, 39 könnte
 man auch नाडिका युं trennen und beide Worte als Synonyme von च-
 तुर्दशं fassen; vgl. 7). — 3) n. Doppel-Çloka, zwei Çloka, durch welche
 ein und derselbe Satz durchgeht, RĪĀG-TAR. S. 3. 4. 6. 14. — 4) n. Ge-
 schlecht (von Menschen, daher gewöhnlich mit मानुष, मनुष्य u. a. ver-
 bunden, γένος ἀνθρώπων), sowohl Generation, als der durch Abstammung
 zusammengehörige Stamm: त्वं विश्वे (ad sensum) मानुषा युगेन्द्रं क्वत्ते
 त्विषं यतसुचः RV. 8, 46, 12. प्रमिन्ती मनुष्या युगानि 1, 92, 11. 103, 4.
 पुत्र चरन्सरो मानुषा युगा 144, 4. 2, 2, 2. विश्वे ये मानुषा युगा पाप्ति मर्त्यं
 रिषः 5, 52, 4. 6, 16, 23. 8, 51, 9. 9, 12, 7. 10, 140, 6. पर्यन्त्या नाडिका युगा
 मङ्गा रज्ञांसि दीपयः 5, 73, 3. 7, 9, 4. 10, 27, 19. युगे युगे 1, 139, 8. 3, 26, 3.
 6, 8, 5. 13, 8. 36, 5. 10, 94, 12. M. 10, 12. BHAG. 4, 8. पर RV. 1, 166, 13. उ-
 त्तर 3, 33, 8. 10, 72, 1. उपर 7, 87, 4. देवानां पूर्व्यं युगे 10, 72, 1. सप्तभिः पु-
 त्रैरदितिरूप प्रैतुर्व्यं युगम् das erste Geschlecht 9. दीर्घतमा मामतेषां नु-
 ज्ज्वान्दशमे युगे। अयामर्थं यतीनां ब्रह्मा भवति सारथिः in der zehnten Ge-
 neration entweder von einer wunderbaren Langlebigkeit oder von
 einer, sonst unbekanntem Genealogie zu verstehen, 1, 138, 6. त्रियुगं n.
 eine Periode von drei Generationen: या श्रापधीः पूर्वा ज्ञाता देवेभ्यस्त्रि-
 युगं पुरा RV. 10, 97, 1. Nir. 9, 28. आ सप्तमाद्युगात् M. 10, 64. JĪĀN. 1, 96.
 चतुर्विंशो युगे HARIV. 2323. सद्स्रयुगपर्यये MBu. 2, 72. प्रवर्तयन्युगमन्य-
 युगात्ते 5, 1873. सुबहूनि युगानि 14, 2776. युगशतपरिवर्तानां ÇĀK. 193. यु-
 गपर्यागते काले Spr. 3619. पूर्वयुगे HARIV. 1043. प्राज्ञापत्यै (so die ed.
 Bomb.) MBu. 12, 4170. ब्रह्मं, तत्रस्य Zeitalter der Br., der Ksh. HAR-
 IV. 11808. वैकुण्ठत्वं च देवेषु कृत्स्नं मानुषे युगे (मानुषेषु च die neuere
 Ausg.) so v. a. unter den Menschen 2379. पुरुषं m. Generation MAHOPAN.
 in Ind. St. 2, 8, N. 2. — 5) n. eine Periode von fünf Jahren (पञ्चके युगे
 PAÑKĀV. Br. 17, 13, 17), insbes. ein Lustrum im 60jährigen Jupttercyklus:
 संवत्सराः पञ्च युगम् MBu. 2, 455. Suçr. 1, 19, 3. 19. WEBER, GĀOT. 23. 26.
 88. 93. Na x. 2, 354. VP. 224. ऋतवो वत्सरास्तथा । तणा लवा मुहूर्ताश्च
 निमेषा युगपर्यायाः ॥ MBu. 13, 627. VARĀH. BRH. S. 2, S. 4. 8, 21. 26, 31.
 33. 35. 37. fgg. — 6) n. Weltperiode, Weltalter, Cyklus, deren vier
 (nämlich Kṛta oder Satja, Tretā, Dvāpara und Kali) ein Welt-
 leben bilden; s. ROTH, Ueber den Mythos von den Menschengeschlech-
 tern, S. 24. fgg. AK. 3, 4, 2, 25. 44, 71. H. an. MED. शतं ते ऽयुतं क्षायान्धे

VI. Theil.

युगे त्रीणि चत्वारि कृपमः AV. 8, 2, 21. M. 1, 68. 85. 9, 301. JĪĀN. 3, 173.
 MBu. 6, 387. fgg. HARIV. 313. fg. 12322. SŪRJAS. 1, 8. 9. 17. 18. 20. 22. fg.
 29. 33. fg. 37. 46. 56. 3, 9. 13, 18. VP. 23. BRĀG. P. 1, 6, 31. 3, 11, 20. 22.
 22, 36. चतुर्युगं n. die vier Weltalter gaṇa पात्रादि zu P. 2, 4, 17, VĀRTT.
 4. VOP. 6, 53. AK. 3, 6, 1, 3. M. 1, 71. MBu. 12, 11227. HARIV. 316. SŪRJAS.
 1, 15. fg. Verz. d. Oxf. H. 21, b, N. 2. 44, b, 25. BRĀG. P. 3, 11, 18. कृतं यु-
 गम् M. 1, 69. 81. 9, 302. MBu. 3, 11234. fgg. 12831. HARIV. 311. 11304.
 SŪRJAS. 1, 23. VARĀH. BRH. S. 4, 26. प्रथमं BRĀG. P. 6, 10, 16. आदिं RĪĀG-
 TAR. 1, 341. त्रेतायुगे युगे R. 7, 76, 36. द्वापरं युगम् M. 9, 302. द्वापरे युगप-
 र्यये HARIV. 11316. कला युगे 11321. M. 1, 86. कष्टं युगम् VER. in LA. (III)
 30, 2. ◦सद्स्र Nir. 14, 4 = BHAG. 8, 17. देवानाम् M. 1, 71. दैविकं 72. 79.
 देव AK. 1, 1, 2, 21. H. 160. दिव्यं ebend. MBu. 12, 7575. AK. 1, 1, 2, 22.
 — 7) n. als Längenmaass = vier Hasta H. an. (wo ◦चतुष्के st. चतुर्थे
 zu lesen ist) und MED.; vgl. oben u. 2) am Endo. — 8) n. Bez. der Zahl
 vier ÇAUT. 33. 42. SŪRJAS. 8, 3. der Zahl zwölf Ind. St. 8, 166. — 9) n.
 Bez. eines best. Standes —, einer best. Configuration des Mondes VARĀH.
 BRH. S. 4, 12. fg. — 10) n. Bez. einer best. Nābhāsa-Constellation (von
 der Klasse Sāmīkhajogā), wenn nämlich alle Planeten in zwei Häu-
 sern stehen, VARĀH. BRH. 12, 10. 19. — 11) eine best. Arzneipflanze, =
 वृद्धि H. an. MED. — Vgl. स्रुयुगम्, ईषायुग (unter ईषा), उरु, कलि,
 गो, चतुर्युगं (चतुर्युगा MBu. 1, 7343 fehlerhaft für चतुर्युगा, wie die ed.
 Bomb. liest), त्रि (adj. auch BRĀG. P. 3, 16, 22. 8, 17, 25), त्रेता (unter
 त्रेता), देव (auch Nir. 12, 41), धर्म, पञ्च, मनु, मन्वा, सत्य.

युगकीलक (युग + की) m. Pflanz am Joch AK. 2, 9, 14. H. 737. HA-
 LĀJ. 2, 420.

युगलय (युग + 2. लय) m. Ende eines Juga, Weltende R. 3, 30, 37.
 Verz. d. Oxf. H. 117, a, 4. BRĀG. P. 8, 24, 31.

युगंधर (युगम्, acc. von युग, + धर) 1) adj. (f. स्त्री) das Joch tragend (?)
 MBu. 13, 3833. सत्यादि युगं धारयति ताः NILAK. — 2) m. n. Deichsel
 AK. 3, 6, 4, 35. 2, 8, 2, 25. H. 736. HALĀJ. 2, 292. सद् adj. MBu. 6, 1956.
 सयुगबन्धुर ed. Bomb. — 3) m. Bez. eines best. über Waffen gesprochenen
 Zauberspruches R. GOAN. 1, 31, 8. — 4) m. N. pr. P. 4, 2, 130. pl. N. pr. eines
 Volkes MBu. 4, 12. VARĀH. BRH. S. 32, 19. VP. 187, N.; vgl. P. 4, 1, 173, Sch.
 sg. N. pr. eines Fürsten HARIV. 9207. 1933 (wo nach सात्यकिः in der
 älteren Ausg. ausgefallen ist: युयुधानस्य भूमिस्तस्य भवत्सुतः । भूमेर्युगं-
 धरः पुत्र इति वंशः समाप्यते ॥). VP. 433. BRĀG. P. 9, 24, 14. eines Ber-
 ges P. 3, 2, 46, Sch. ÇĀBDAR. im ÇKDA. BURNOUF in Lot. de la b. l. 842.
 युगंधरे दधि प्राश्य MBu. 3, 10521. 8, 2062. eines Waldes PAÑKĀR. 1, 10,
 48. — Vgl. यौगंधर, यौगंधरक, यौगंधरायण, यौगंधरि.

युगप (युग + 2. प) m. N. pr. eines Gandharva MBu. 1, 4812. HA-
 RIV. 14137.

युगपत्र (युग + पत्र Blatt) m. Bauhinia variegata H. 1132. ◦पत्रक
 m. dass. AK. 2, 4, 2, 3. ◦पत्रिका f. Dalbergia Sissoo Roxb. TRIK. 2, 4, 22.
 — Vgl. युगपत्त.

युगपद्, nach Andern युगपैद् (युग + 2. पद्) adv. gaṇa स्वरदि zu P.
 1, 1, 37. gleichzeitig, zugleich (urspr. in demselben Joch stehend, neben
 einander); Gegens. क्रमशस्, पृथक्. AK. 3, 5, 22. युगपडुपत्त Nir. 1, 2.
 ◦पद्मव KĀTJ. Çr. 1, 5, 1. 7, 1. 2, 4, 25. 5, 19. 3, 6, 17. ◦पत्कर्म्म LĀTJ. 1,